केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 04 मंगलवार 23 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

असिस्टेन्ट प्रोफेसर धन लक्ष्मी शुक्ला को मिली पीएचडी की उपाधि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौर विकासखण्ड के तेतुई चेत सिंह गांव निवासी विजय प्रताप शुक्ल की पुत्री धन लक्ष्मी शुक्ला को हिंदी साहित्य में पीएचडी की उपाधि मिली है। वर्तमान में धन लक्ष्मी हिंदू कन्या महाविद्यालय सीतापुर में बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर कार्यरत हैं। उन्होंने अपना शोध कार्य डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के अंतर्गत साकेत महाविद्यालय की अपनी शोध निदेशक प्रोफेसर सरोज के निर्देशन में नियत समय पर पूरा किया। धनलक्ष्मी की प्रारंभिक शिक्षा गांव से ही हुई है उन्होंने अपना इंटरमीडिएट हंसराज लाल इंटर कॉलेज गणेशपुर से किया है। स्नातक और परास्नातक की पढ़ाई आचार्य नरेंद्र देव पीजी कॉलेज बभनान गोंडा से हुई है। वर्ष 2020 में उच्चतर शिक्षा आयोग प्रयागराज द्वारा उनका चयन हिंदू कन्या महाविद्यालय सीतापुर में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ था। धन लक्ष्मी शुक्ला ने बताया कि आगे चलकर वह विश्वविद्यालय में अध्यापन के लिए इच्छुक है और उसके लिए वह लगातार प्रयास कर रही हैं। धन लक्ष्मी ने इस सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, बहन विजय लक्ष्मी शुक्ला, भाई शिवदत्त और अपने मित्रों को दिया है।

डीएम, एसपी ने किया चांदपुर कटरिया का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने हर्रैया तहसील के अन्तर्गत बाढ़ प्रभावित ग्राम सुरिसाबाबू तथा संवेदनशील तटबंध–कटरिया चाँदपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। दोनो अधिकारियों ने ग्रामीणों से शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं के संबंध में वार्ता किया। संवेदनशील तटबंध–कटरिया चाँदपुर तटबंध की गश्त कर रहे कर्मचारियों से उन्होने पूछताछ भी किया एवं निर्देश दिया कि निरन्तर तटबंध की देख–रेख करते रहे।

51 मामलों में 2 का निस्तारण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सम्पूर्ण समाधान दिवस जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में तहसील बस्ती सदर सभागार में आयोजित हुआ। जिलाधिकारी ने आये हुए फरियादियों को आश्वस्त किया की उनके समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारित किया जायेगा। उन्होने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतकर्ता के विवाद/समस्या के निस्तारण हेतु विवादित स्थल पर जाने से पूर्व उनको फोन द्वारा अवगत कराते हुए दोनों पक्षों को गम्भीरतापूर्वक सुनने के बाद निस्तारित करें और निस्तारण के पश्चात् फीडबैक अवश्य लें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने भी लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

उप जिलाधिकारी शत्रुंजय पाठक ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 51 मामले प्राप्त हुए, जिसमें से 02 का मौके पर निस्तारित किया गया।

दुकानदारों के नाम लिखवाने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली (आभा)। कांवड़ यात्रा के रूट पर खान–पान की दुकानों में दुकानदार के नाम लिखवाने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान एक आदेश से नागरिकों के चार मौलिक अधिकारों के हनन का गंभीर सवाल याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने उठाया। सर्वोच्च न्यायायल के जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवी भट्टी की बेंच ने अंतरिम आदेश सुनाते समय नागरिकों को मिले उन चार मौलिक अधिकारों के हनन के सवाल का नोटिस लिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करते हुए शुक्रवार 26 जुलाई तक जवाब मांगा है। 26 जुलाई को ही मामले में आगे सुनवाई होगी। देश भर में सावन महीने की शुरुआत के साथ कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट में एनजीओ एसोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर), टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और सामाजिक कार्यकर्ता अपूर्वानंद व आकार पटेल ने अलग–अलग याचिका दायर कर इस आदेश का विरोध किया था। एपीसीआर की तरफ से सीयू सिंह, महुआ की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी और अपूर्वानंद व आकार पटेल की तरफ से हुफेज अहमदी ने दलीलें दी। दलीलों में दुकान के बाहर मालिक और स्टाफ का नाम लिखने की वजह से जमीन पर हो रहे असर की चर्चा करते हुए कहा गया कि ये संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17 और 19 के अलग–अलग हिस्सों का उल्लंघन करता है। संविधान का आर्टिकल 14 कहता है कि सरकार किसी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता या भारत के क्षेत्र के भीतर कानूनों के समान संरक्षण से इनकार नहीं करेगा।

ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाताओं का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में सोमवार को निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत ब्लॉक स्तरीय सन्दर्भदाताओं के प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण का शुभारंभ डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया। डायट प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रशिक्षण निपुण लक्ष्य की प्राप्ति में आने वाली चुनौतियों तथा उनके समाधान एवं शिक्षकों के संवर्धन क्षमता हेतु दिया जा रहा है। यह जरूरी है कि शिक्षक समय से निपुण भारत मिशन के लक्ष्य को पूरा करें। लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली चुनौतियों का संकलन कर कार्ययोजना बनाते हुए कार्य करने की जरूरत है। वर्तमान परिदृश्य में निपुण लक्ष्य प्राप्ति के लिए बच्चों की उपस्थिति वृद्धि में अभिभावकों का सहयोग न मिलना प्रमुख कारण है, इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना है।

-शिक्षक पूरा करें निपुण भारत मिशन का लक्ष्य - संजय शुक्ल

नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन खान ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षक निपुण लक्ष्य की प्राप्ति में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सकेंगे। आईसीटी के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के ऐप के माध्यम से छात्रों के ज्ञान के साथ–साथ तकनीकी ज्ञान के समावेश से विषय वस्तु समझने में आसानी होगी। संदर्भदाता के रूप में प्रवक्ता अमनसेन, एसआरजी आशीष श्रीवास्तव एवं अंगद पाण्डेय ने निपुण लक्ष्य एवं कार्य योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दिया।

प्रशिक्षण के दौरान कल्याण पाण्डेय, सरिता, वन्दना चौधरी, वर्षा पटेल, अमन सेन, डॉ गोविन्द 'अलीग', शशि दर्शन त्रिपाठी, डॉ रविनाथ, कुलदीप चौधरी, गिरिजेश बहादुर सिंह, उदय प्रताप सिंह, संदीप सिंह, उमेश सिंह, सुनील बौद्ध आदि उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान पर जबरिया खेती की जमीन में चकरोड़ बनवाने का आरोप

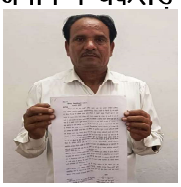

–उच्चाधिकारियों से लगाया नक्शे के अनुरूप चकरोड़ बनवाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भानपुर तहसील क्षेत्र के बनगंवा निवासी सनिल कुमार पुत्र राम सुन्दर ने जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त के साथ ही सम्बंधित उच्चाधिकारियों और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में सनिल कुमार ने कहा है कि उनकी जमीन गाटा संख्या 481 में जबरिया चक रोड निकाला जा रहा है जबकि चकरोड गाटा संख्या 483 है। नक्शे के आधार पर चकरोड 60 मीटर पर बनना था किन्तु जबरिया पुरानी रंजिश को लेकर ग्राम प्रधान द्वारा उनकी जमीन में 10 मीटर बढ़ाकर चकरोड का निर्माण करा दिया गया। पत्र में सनिल कुमार ने कहा है कि तत्कालीन ग्राम प्रधान बेचनराम चौधरी और वर्तमान ग्राम प्रधान दिनेश मौर्य द्वारा षड़यंत्रपूर्वक उनकी जमीन में चकरोड निकलवाया गया है। उन्होने अधिकारियों से मांग किया है कि चकरोड नक्शे के अनुसार और निर्धारित मानक में रखा जाय। उनकी जमीन से जबरिया जो चकरोड निकाला गया है उसे निरस्त कराया जाय।

ईमान फाउन्डेशन ने किया मरीजों में फल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को ईमान फाउन्डेशन के संस्थापक इरफानुल्लाह के जन्मदिन पर पूर्व प्रधान गौहर अली के नेतृत्व में जिला अस्पताल के वार्डो के मरीजों में फल और जूस वितरण किया गया ।

जिला संरक्षक जी रहमान ने कहा ईमान फाउंडेशन हमेशा समाज हित के लिये कार्य करती है। संस्था द्वारा हिन्दू–मुस्लिम के सभी पर्व, त्योहारों पर प्रशासन का सहयोग करने के साथ ही जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराया जाता है जिससे वे पढ लिखकर योग्य नागरिक बन सके। आर्थिक संकट उनके जीवन में बाधा न बनने पाये। कहा कि यह संयोजक ही है कि ईमान फाउंडेशन के संस्थापक इरफानुल्लाह के जन्मदिन के दिन से सावन का पवित्र माह शुरू हो रहा है और सोमवार को लोगों की आस्था शिव मंदिरों पर उमड़ी।

जिला अस्पताल में फल और जूस वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से अर्जित कसौधन, अशोक निगम, अयार्जुरहमान अनिल कन्नौजिया, मो. आफिफ, अखिलेन्द्र विक्रम सिंह, मो. ऐहसानुल्लाह, दीपक सोनकर, मकसूद अहमद, मो0 मुजीब, कृष्ण कुमार प्रजापति, अंकित सोनकर आदि ने सहयोग किया।

वित्त मंत्री ने संसद में पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण

नई दिल्ली (आभा)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2023–24 पेश किया, जिससे केंद्रीय बजट 2024–25 का खाका तैयार हो गया। वित्त मंत्री मंगलवार को लोकसभा में बजट पेश करेंगी। ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत की वृद्धि और वृहद आर्थिक परिदृश्य को लेकर तेजी का रुझान बना हुआ है। आर्थिक सर्वे में वित्त वर्ष 25 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि 6.5–7 प्रतिशत और देश की मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत कम होने का अनुमान लगाया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था एक मजबूत और स्थिर स्थिति में है। भारतीय अर्थव्यवस्था में भू–राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने के मामले में लचीलापन बना हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने आर्थिक और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए कोविड के बाद अपनी रिकवरी को मजबूत किया है। नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण 2023–24 के अनुसार, रिकवरी को बनाए रखने के लिए, घरेलू मोर्चे पर मजबूत विकास की जरूरत है। सर्वे के अनुसार व्यापार, निवेश और जलवायु जैसे प्रमुख वैश्विक मुद्दों से जुड़े समझौतों तक पहुंचना असाधारण रूप से कठिन हो गया है,। इस दिशा में सुधार की जरूरत है।आर्थिक सर्वेक्षण 2023–24 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर (जीडीपी) 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है।

वोट बैंक के लिये हिन्दू–मुसलमान के बीच नफरत की राजनीति बंद करे भाजपा– महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सूचना अधिकार विभाग के प्रदेश महासचिव एवं गोरखपुर–बस्ती मण्डल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने कांवड़ यात्रा के दौरान दूकानदारों द्वारा नेम प्लेट लगाये जाने के निर्णय को हिटलरशाही बताते हुये कहा कि भारतीय जनता पार्टी वोट बैंक के लिये हिन्दू– मुसलमानों के बीच नफरत फैला रही है। अनेक कावडिये स्वयं इसका विरोध कर रहे हैं।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि हिन्दू–मुसलमान एक दूसरे के पूरक है। कावरिये जिस वस्त्र को धारण कर यात्रा पर निकलते हैं उसे अधिकांश मुसलमान बनाते हैं। जिस लोटे में पवित्र गंगाजल रखा जाता है उसका निर्माण में बड़ी संख्या में मुस्लिम विरादरी के लोग करते हैं। उन्होने कहा कि यदि किसी कावड़ यात्री की मोटर साईकिल या कार पंचर हो जाय तो क्या वह मुस्लिम कारीगर से नहीं बनवायेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार को भाजपा नेतृत्व पचा नहीं पा रहा है और आगामी उप चुनाव को देखते हुये कांवड़ यात्रा में वोट बैंक मजबूत करने के लिये इस प्रकार के निर्णय लिये गये हैं। कहा कि भाजपा का मंसूबा अब सफल नहीं होगा। बेरोजगारी, मंहगाई, किसानों के संकट से ध्यान हटाने के लिये ऐसे फरमान जारी किये जा रहे हैं जो मानवता के विरुद्ध है। पवित्रता आन्तरिक होती है और उसका प्रदर्शन नहीं किया जाता।

पूर्व ग्राम प्रधान ने बंद कर दिया नाली, समस्या के समाधान के लिये तहसील दिवस पहुंची महिलायें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जल जमाव की समस्या को लेकर मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के भैसा पाण्डेय गांव की महिलायें तहसील दिवस में पहुंच गई और उप जिलाधिकारी सदर से मिलकर आग्रह किया कि पूर्व ग्राम प्रधान द्वारा बांधी गई नाली को खुलवाया जाय जिससे बरसात के मौसम में संक्रामक बीमारियों के खतरों से बचा जा सके।

तहसील दिवस में शिकायत दर्ज कराने के बाद निशा देवी ने बताया कि उनके गांव भैसा पाण्डेय के नाली का पानी पूर्व ग्राम प्रधान के खेत में बगल में लगभग 20 वर्ष से पहले बने नाली में जा रहा था। कई बार खेत की जुताई एवं खुदाई के कारण पक्की नाली टूट गई। अब इस पानी को पूर्व ग्राम प्रधान ने रोक दिया। उनका कहना है कि यह हमारा खेत है और हम इसमें नाली का पानी नहीं आने देंगे, क्योंकि फसल को बहुत नुकसान हो रहा है। नाली का पानी बांध देने के कारण गंदे नाली का पानी घरों व सड़कों पर बह रहा है। आने जाने में भी कठिनाई हो रही है। इस मामले में बनकटी ब्लाक और ग्राम प्रधान से भी शिकायत कर समस्या के समाधान की मांग किया गया किन्तु स्थिति और दयनीय होती जा रही है। समस्या जस की तस है। निशा देवी ने बताया की उप जिलाधिकारी सदर ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

तहसील दिवस में समस्या के समाधान हेतु पहुंची महिलाओं और ग्रामीणों में सुराती देवी, सुनीता देवी, नीलम देवी, सीमा देवी, अमरावती, फूलपत्ता, सुशीला, रीता देवी, अजोरिया, सावित्री, राम बुझारत, मनीराम, चन्द्रहास, जितेन्द्र आदि शामिल रहे।

संयुक्त मोर्चा की बैठक में बनी 29 जुलाई को महानिदेशक कार्यालय के घेराव की रणनीतिः बस्ती से हजारों की संख्या में जायेंगे शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिला संयोजक उदयशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में ऑन लाइन डिजिटल व्यवस्था को पूर्ण रूप से समाप्त करने हेतु चरणबद्ध संघर्ष पर जोर दिया गया। संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि सरकार ने उप चुनाव को देखते हुये शिक्षकों को झांसे में डाला है, इससे सावधान रहना होगा। जब तक निर्णय वापस नहीं हो जाता आन्दोलन जारी रखना होगा।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष एवं मोर्चा संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि शिक्षकों के दबाव के चलते प्रदेश सरकार ने दो माह के लिये ऑन लाइन डिजिटल व्यवस्था स्थगित कर दिया है किन्तु यह पर्याप्त नहीं है। जब तब ऑन लाइन डिजिटल व्यवस्था का आदेश वापस नहीं होता चरणबद्ध ढंग से आन्दोलन जारी रहेगा। बताया कि आगामी 29 जुलाई को मोर्चा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर महानिदेशक लखनऊ के कार्यालय पर धरना, प्रदर्शन और घेराव किया जायेगा जिसमें बस्ती से हजारों की संख्या में शिक्षक और मोर्चा संयोजक, सह संयोजक एवं 15 संगठनों के सदस्य हिस्सा लेंगे। मोर्चा संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि सभी शिक्षक विद्यालय समय में स्मार्ट फोन बंद रखेंगे और आवश्यकता पड़ने पर की पैड मोबाइल का ही प्रयोग करेंगे। कहा कि शिक्षक ऑन लाइन प्लेट फार्म पर कोई कार्य न करें। कहा कि अधिकारी डिजिटल रजिस्टर बनवाने का दबाव शिक्षकों पर न बनाये।

29 जुलाई को मोर्चा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर महानिदेशक लखनऊ कार्यालय पर धरना, प्रदर्शन और घेराव की तैयारियों को संयुक्त मोर्चा की बैठक में अंतिम रूप दिया गया। निर्णय लिया गया कि जनपद के सभी ब्लाक मुख्यालयों से 50–50 की संख्या में शिक्षक बस, ट्रेन, निजी साधनों से महानिदेशक लखनऊ कार्यालय पर पहुंचकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।

संयुक्त मोर्चा की बैठक में विष्णुदत्त शुक्ल, तौव्वाब अली, प्रमोद पाण्डेय, अमित सिंह, पवन मिश्र, अश्विनी वर्मा, संदीप कुमार, हेमन्त कुमार, अखिलेश मिश्र, इन्द्रसेन मिश्र, शशिकान्त दूबे, पटेश्वरी प्रसाद निषाद, योगेश्वर शुक्ल, चन्द्रभान चौरसिया, ओम प्रकाश पाण्डेय, सरिता पाण्डेय, रीता शुक्ला, अश्विनी कुमार पाण्डेय, राम प्रकाश शुक्ल, मो. सलाम, सुनील पाण्डेय, शैल शुक्ल, हरिकृष्ण उपाध्याय, धर्मेन्द्र उपाध्याय आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। विमल आनन्द, अजय कुमार, सुनील कुमार उपाध्याय, राजकान्त, अभिराम, उमराव, विनोद कुमार गौतम, राजेश कुमार चौधरी, अश्विनी कुमार वर्मा, आशुतोष पाण्डेय, वृजेश कमार मिश्र, सुशील वर्मा, संदीप कुमार, हेमन्त कुमार वर्मा, अश्विनी कुमार त्रिपाठी, मो0 सलाम, दिनेश कुमार वर्मा, उपेन्द्र पाण्डेय, रविन्द्रनाथ, विवेकानन्द चौरसिया, विजय प्रताप वर्मा, रामभरत वर्मा आदि शामिल रहे।

–ऑन लाइन प्लेटफार्म पर कार्य न करें शिक्षक– उदयशंकर शुक्ल

–अधिकारी शिक्षकों पर डिजिटल रजिस्टर बनवाने का दबाव न बनाये

7 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षा मित्रों ने खण्ड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को आदर्श समायोजित शिक्षक, शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन जिलाध्यक्ष राम पराग चौधरी के नेतृत्व में जनपद के समस्त बीआरसी केन्द्रों पर शिक्षा मित्रों ने 7 सूत्रीय मागों को लेकर खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि अड़तालीस हजार शिक्षा मित्र 23 वर्षों से निरंतर निष्ठा पूर्वक शिक्षण कार्य कर रहे है। 25 जुलाई 2017 के सुप्रीम कोर्ट निर्णय के उपरान्त शिक्षा मित्रों के समक्ष उनकी परिवार के भरण पोषण का संकट खड़ा हो गया है। इन्हीं परिस्थितियों के चलते लगभग आठ हजार शिक्षा मित्रों की आकस्मिक मृत्यु हो चुकी है। 8 वर्षों से शिक्षा मित्र निरंतर मूल भूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संघर्ष कर रहे है। इनकी समस्याओं का समाधान आवश्यक है। प्रमुख मांगों में अध्यादेश के माध्यम से शिक्षा मित्रों को पुनः सहायक अध्यापक के पद पर स्थापित किये जाने, उक्त प्रक्रिया पूर्ण होने तक समान कार्य का 12 माह का समान वेतन व समान सुविधायें देने, महिला शिक्षा मित्रों का उनके ससुराल के जनपद के विद्यालयों में हस्तान्तरण दिलाने, जिले के अन्तर्गत शिशक्षा मित्रों को उनके मूल विद्यालय, निकटतम विद्यालय में वापस होने का अवसर देने, मृतक शिक्षा मित्रों के परिवार को यथोचित नौकरी, आर्थिक सहायता प्रदान किया जाने, चिकित्सीय अवकाश, कैशलेश चिकित्सा की सुविधा, आयुष्मान की सुविधा दिये जाने, महिला शिक्षा मित्र को सीसीएल की सुविधा देने, आकस्मिक अवकाश 11 के स्थान पर 14 दिए जाने, सेवा निवृत्त की उम्र 62 वर्ष कर बढ़ाये की गुजारे हेतु, पेंशन भत्ता दिये जाने आदि की मांग शामिल है।

एसोसिएशन जिलाध्यक्ष राम पराग चौधरी ने बताया कि बनकटी बी. आर. सी. पर राघवेंद्र प्रसाद उपाध्याय, कुदरहा में ब्लाक अध्यक्ष लालजी चौधरी, सदर में ब्लॉक अध्यक्ष राजेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में रुधौली बीआरसी पर ब्लॉक अध्यक्ष तुलसीराम, सल्टौवा गोपालपुर बीआरसी पर ब्लॉक अध्यक्ष बाल गोपाल शुक्ला, कप्तानगंज में राम चौधरी, परशुरामपुर, ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र कुमार पाण्डेय, विक्रमजोत में कृष्ण कुमार त्रिपाठी, साऊंघाट बीआरसी पर ब्लॉक अध्यक्ष सुनील कुमार शुक्ला, दुबौलिया में चंद्रेश तिवारी, बहादुरपुर बीआरसी पर पवन कुमार शुक्ला के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 जुलाई 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

भाजपा की उलझन

भाजपा के समर्थक खुद से यह सवाल पूछ रहे हैं कि अच्छी खबर कब आएगी। पिछले लोकसभा चुनाव में 303 से घटकर 240 सीटों पर पहुंचने के बाद पार्टी सहयोगियों की मदद से केंद्र में सरकार बनाने में कामयाब रही। मनोनीत सदस्यों की सेवानिवृत्ति के बाद, 245 में से 90 सीटों के साथ, अब इसके पास राज्यसभा में अपना बहुमत नहीं है। वह इस महीने 13 विधानसभा उपचुनावों में से केवल 2 में जीत हासिल करने में सफल रही। असफलताओं की यह शृंखला अलग–अलग तरीकों से प्रकट हो रही है, लेकिन राज्य की राजनीति में यह अपने चरम पर है, 36 में से 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भाजपा की सरकार है (यद्यपि कुछ में गठबंधन सहयोगियों द्वारा समर्थित)। समान रूप से, कांग्रेस और अन्य सहयोगी सांझेदार अब पहले की तुलना में अधिक लड़ाकू हैं। राजनीतिक और नीतिगत प्रतिस्पर्धा अचानक बढ़ गई है।राजस्थान की मिसाल ही ले लीजिए। 2023 में विधानसभा सत्र के बाद भाजपा के पास 58 प्रतिशत सीटें हैं। पार्टी के पास अब 200 में से 115 सीटें हैं और इसलिए उसके बहुमत पर कोई संदेह नहीं है।

कांग्रेस के पास सिर्फ 69 सीटें हैं और उसने सत्ता खो दी है। दिसंबर 2023 से जून 2024 तक हमने विधानसभा में जो विपक्ष देखा वह काफी हद तक सुस्त था, कांग्रेस आंतरिक तनाव से ग्रस्त थी। लेकिन फिर, लोकसभा चुनाव में भाजपा राज्य की 25 में से सिर्फ 14 सीटें ही जीत सकी। कांग्रेस को 8 और अन्य पार्टियों को 3 सीटें मिलीं। 4 जुलाई से शुरू हुए बजट सत्र में विधानसभा में कांग्रेस की ओर से अप्रत्याशित दावेदारी देखने को मिल रही है। हर दिन, विधानसभा के विपक्षी सदस्य (विधायक) सरकार की नीति पर सवाल उठाते हैं, व्यवधान डालते हैं और उसकी झ्क्षनदा करते हैं। पिछले हफ्ते, कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया था कि लोक निर्माण विभाग उन निर्वाचन क्षेत्रों में सड़कें बनाने में उनसे सलाह नहीं ले रहा है जहां वे जीते थे। यह अभी भी उन भाजपा विधायकों के निर्देशों पर चल रहा था जो चुनाव हार गए थे। भाजपा अपने मूल कार्यक्रम पर वापस लौटते हुए पलटवार कर रही है। सरकार 2008 में वसुंधरा राजे सरकार द्वारा पारित एक और विधेयक को किनारे रखते हुए धार्मिक रूपांतरण को रोकने के लिए सख्त दंड के साथ एक विधेयक का मसौदा तैयार कर रही है, लेकिन इसे कभी भी राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली और इसे लाया नहीं गया।

ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजद) के 24 साल तक सत्ता में रहने के बाद भाजपा ने इस साल जून में राज्य में पहली बार 147 सदस्यीय विधानसभा में सरकार बनाई, जबकि भाजपा को 78 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिला। बीजद केवल 51 सीटें ही जीत पाई। बीजद की हार को भाजपा ने 21 में से 20 लोकसभा सीटें जीतकर और अधिक अपमानजनक बना दिया। बची हुई एकमात्र सीट कांग्रेस के खाते में गई, लंबे समय से राज्य में बीजद ने कांग्रेस को अपना प्राथमिक दुश्मन माना है। लेकिन अब, बीजद ने न केवल राज्यसभा में भाजपा से समर्थन वापस ले लिया है, बल्कि उसने अपने विधायकों को भाजपा सरकार में 'छाया मंत्रियों' के पास तैनात कर दिया है, जिनमें से कई पहली बार विधायक बने हैं और उन्हें सरकार या विधानसभा में कोई अनुभव नहीं है। हालांकि बीजद ने 'इंडिया' गठबंधन के लिए कोई समझौता नहीं किया है। भाजपा की नीति स्पष्ट नहीं है कि क्या वह पिछली सरकार की लोकप्रिय कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखेगी, क्या वह नवीन पटनायक और उनके प्रत्याशियों को बर्बाद कर देगी?

ओडिया पहचान के प्रति अत्यधिक संवेदनशील राज्य में, क्या सरकार 'डबल इंजन' का राग अलाप रही है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा नतीजों से उत्साहित समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने 10 विधानसभा उपचुनाव लड़ने के लिए बातचीत शुरू कर दी है, जिसके चुनावों की घोषणा किसी भी दिन की जा सकती है। अतीत में, विधानसभा चुनावों में दोनों पाष्टयों के बीच मतभेद पैदा हो गए थे, पंजाब में भाजपा के पास विधानसभा में सिर्फ 2 विधायक हैं। लेकिन लोकसभा में अपनी सीटें गंवाने के बावजूद उसका वोट शेयर अब तक का सबसे ज्यादा था। इस तथ्य को स्वीकार करते हुए, इसने रवनीत बिट्टू (जो लोकसभा चुनाव हार गए) को संघ का सदस्य बना दिया है। भाजपा राज्य में अपनी उपस्थिति कैसे मजबूत करती है यह आने वाले दिनों में देखना दिलचस्प होगा। आर्थिक सुधार, विशेष रूप से संविधान की समवर्ती सूची की वस्तुओं से संबंधित, को राज्य सरकारों के समर्थन की आवश्यकता होगी। वर्तमान स्थिति में, जैसे–जैसे राजनीतिक स्थिति सख्त होगी, वैसे–वैसे प्रतिरोध भी बढ़ेगा। सर्वसम्मति प्राप्त करने के लिए बातचीत और लचीलेपन की आवश्यकता होगी।

राजनीति में सांप–सीढ़ी का खेल

–कल्याणी शंकर–

एक समय राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता में रहने वाली राजनीतिक पार्टियां अंततरू लुप्त हो जाती हैं, जबकि अधिकांश छोटी और बड़ी पार्टियों को शासन करने का मौका मिला है। एक समय तेलंगाना में शक्तिशाली रही भारतीय राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) अब कई अन्य पाष्टयों की तरह राजनीति में कमजोर पड़ रही है। पिछले सप्ताह बी.आर.एस. विधायक ए. गांधी का कांग्रेस में शामिल होना इसके नेता की रणनीति को दर्शाता है। सत्तारूढ़ कांग्रेस के पास अब 75 विधायक हैं, जिनमें कांग्रेस के 65, सी.पी.आई. के एक और बी.आर.एस. के 9 पूर्व सदस्य शामिल हैं। यह एक विशिष्ट उदाहरण है। भारत में 6 राष्ट्रीय पार्टियां, 57 राज्य पार्टियां और 2,764 गैर–मान्यता प्राप्त पार्टियां हैं जो चुनाव आयोग की देखरेख में लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेती हैं। कई नेताओं ने विशिष्ट क्षेत्रीय और जाति–आधारित हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टियां स्थापित की हैं, जो भारतीय राजनीति की जटिल और आकर्षक प्रकृति को दर्शाती हैं।

एक समय के ये करिश्माई पार्टी नेता अप्रासंगिक हो गए हैं, लोगों का मोहभंग कर रहे हैं और उन्हें अन्य पार्टियों की तलाश करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। क्षेत्रीय नेता अब महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं, जो राष्ट्रीय दलों से कहीं ज्यादा राजनीतिक परिदृश्य को आकार देते हैं। एक प्रभावशाली व्यक्ति आम तौर पर पार्टी को एक साथ रखता है। अगर वे चले जाते हैं तो पार्टी बिखर जाती है, जो उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। जब किसी नेता का प्रभाव कम होता है, तो एक नया नेता उभरता है, जो राजनीतिक कथानक में अप्रत्याशितता और नाटकीयता का भाव जोड़ता है। उदाहरण के लिए, किसने सोचा होगा कि केजरीवाल 2012 में एक नेता के रूप में सामने आएंगे, जब वे 'इंडिया अगेंस्ट क्रप्शन' का हिस्सा थे? बीजू पटनायक के बेटे नवीन पटनायक एक और नेता हैं जिन्होंने लंबे समय तक ओडिशा को अपने अधिकार में रखा। भारत में कई राजनीतिक नेता अपने परिवारों को नेतृत्व सौंपने में विश्वास करते हैं। उदाहरण के लिए, राजद के नेता लालू प्रसाद यादव ने नेतृत्व की भूमिकाओं में अपनी पत्नी, बेटों और बेटियों का समर्थन किया है। पारिवारिक उत्तराधिकार की यह प्रवृत्ति द्रमुक, सपा जद(एस), राकांपा, नैकां, पी.डी.पी. और शिवसेना और भारत के विभिन्न राज्यों में अन्य क्षेत्रीय दलों में भी स्पष्ट है।

वामपंथी और दक्षिणपंथी राजनीति के बीच विभाजन भारतीय और वैश्विक राजनीति के लिए तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है। बसपा के समय में दक्षिणपंथी राजनीति को बड़े व्यवसायों से समर्थन मिल रहा था वामपंथी विभाजित और रक्षात्मक हैं, लेकिन वे लोकतांत्रिक रूप से एकजुट होने का प्रयास करते हैं। यह विभाजन एक राजनीतिक वास्तविकता है, लेकिन एक महत्वपूर्ण पहलू भी है। 1991 के बाद से, भारतीय राजनीति में नवउदारवाद का उदय हुआ जो एक राजनीतिक विचारधारा है यह मुक्त बाजार पूंजीवाद और सीमित सरकारी हस्तक्षेप की वकालत करती है, और दूसरी तरफ फासीवाद है जिसके तहत एक दूर–दराज सत्तावादी राष्ट्रवादी राजनीतिक विचारधारा में वृद्धि हुई है। इसने प्रभावित समूहों और दलों से वामपंथी प्रतिक्रिया को प्रेरित किया है, जिन्हें डर है कि विभिन्न अधिकार छीने जा सकते हैं। हम मामले की जड़ तक आते हैं। कांग्रेस और सी.पी.आई. जैसी सबसे पुरानी पार्टियों सहित अधिकांश पार्टियां सांप–सीढ़ी का खेल क्यों खेलती हैं?

ऐसा इसलिए है क्योंकि वे समय के साथ नहीं चल रही हैं और अतीत में जी रही हैं। वे युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को समझने में असमर्थ हैं। हालांकि, युवाओं की बदलाव और प्रगति की चाहत भारतीय राजनीति में एक गतिशील भविष्य की उम्मीद जगाती है। सबसे पहले, यह अक्सर करिश्माई नेताओं पर उनकी निर्भरता के कारण होता है। ये नेता अपने हितों की रक्षा करते हैं और जब वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते तो पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। दूसरा, ये नेता अक्सर दूसरे नेतृत्व को विकसित करने की उपेक्षा करते हैं, जिससे उनका प्रभाव कम होने पर पार्टी का पतन हो जाता है। यह कांग्रेस और भाजपा के लिए भी सच है।

तीसरा, क्षेत्रीय दल अक्सर चुनाव से पहले अपने घोषणापत्र में महत्वाकांक्षी वायदे करते हैं, जिसके कारण जब वे पूरा करने में विफल होते हैं तो उनकी विश्वसनीयता कम हो जाती है। लोकतंत्र वैकल्पिक विचारधाराओं को विकसित होने के लिए जगह प्रदान करता है। आर्थिक चक्रों जैसे उछाल और मंदी के वैचारिक राजनीतिक चक्र होते हैं। जबकि एक विचारधारा सिद्धांत रूप में शुद्ध हो सकती है, लोगों को इसे पूरी तरह से लागू करने के लिए अक्सर मदद की आवश्यकता होती है। सुदूर दक्षिणपंथी की लोकप्रियता में वृद्धि का श्रेय वाम और केंद्र–वामपंथी के प्रति निर्देशित सत्ता विरोधी भावनाओं को दिया जा सकता है।

अंत में, क्षेत्रीय दल अक्सर पार्टी के हितों से ज्यादा अपने नेताओं को खुश करने को प्राथमिकता देते हैं, जिससे वंशवादी राजनीति का बोलबाला होता है। ये नेता अपने हितों की रक्षा करते हैं और जब वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते तो पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। जवाहरलाल नेहरू के बाद से लोग पूछते रहे हैं, 'नेहरू के बाद कौन?' नेहरू के बाद लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री बने। इंदिरा गांधी के बाद नेतृत्व राजीव गांधी के पास चला गया और इसी तरह आगे भी। जबकि कुछ करिश्माई नेताओं ने पद संभाला, देवेगौड़ा और आई.के. गुजराल जैसे अन्य अप्रत्याशित रूप से प्रधानमंत्री बन गए, जिससे उन्हें 'आकस्मिक प्रधानमंत्री' (एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर्स) उपनाम मिला। देवेगौड़ा की जनता दल (सेक्युलर) और गुजराल की जनता दल अब फीकी पड़ गई है, अब सिर्फ कुछ ही जगहों पर मौजूद है।

अतीत में, कांग्रेस वह केंद्र बिंदु थी जिस पर ज्यादातर विपक्षी दल राजनीतिक समर्थन के लिए निर्भर थे। यह एक छत्र पार्टी थी, जो विभिन्न विचारधाराओं और विचारों को जगह देती थी। हालांकि, अब कांग्रेस इतनी कमजोर हो गई है इससे यह सबक लिया जा सकता है कि भारत ने राजनीति में उतार–चढ़ाव का प्रदर्शन देखा है और ये लोकतंत्र का हिस्सा हैं। यह सांप–सीढ़ी का खेल जारी रहेगा क्योंकि लोग करिश्माई नेताओं को आते–जाते देखेंगे।

आम आदमी की बजट से उम्मीदें

–विनीत नारायण–

जहां एक तरफ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश की आर्थिक प्रगति को लेकर लगातार अपनी पीठ थपथपाती रही हैं, वहीं देश के बड़े अर्थशास्त्री, उद्योगपति और मध्यम वर्गीय व्यापारी वित्त मंत्री के बनाए पिछले बजटों से संतुष्ट नहीं हैं। अब नया बजट आने को है। पर जिन हालातों में एन.डी.ए. की सरकार आज काम कर रही है उनमें उससे किसी क्रांतिकारी बजट की आशा नहीं की जा सकती। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की लंबी चौड़ी वित्तीय मांगें, सत्तारूढ़ दल द्वारा आम जनता को आर्थिक सौगातें देने के वायदे और देश के विकास की जरूरत के बीच तालमेल बिठाना आसान नहीं होगा। वह भी तब जब भारत सरकार ने विदेशों से ऋण लेने की सारी सीमाएं लांघ दी हैं। आज भारत पर 205 लाख करोड़ रुपए का विदेशी कर्ज है। ऐसे में और कितना कर्ज लिया जा सकता है? क्योंकि कर्ज को चुकाने के लिए जनता पर अतिरिक्त करों का भार डालना पड़ता है, जिससे महंगाई बढ़ती है जिसकी मार आम जनता पहले ही झेल रही है।

दक्षिण भारत के मशहूर उद्योगपति, प्रधानमंत्री मोदी के प्रशंसक और आर्थिक मामलों के जानकार डा. मोहनदास पाई ने देश की मौजूदा आथ्र्थक हालत पर तीखी टिप्पणी की है। देश की मध्यम वर्गीय आबादी में बढ़ते हुए रोष का हवाला देते हुए वे कहते हैं कि पूरे देश में मध्यम वर्ग बहुत दुखी है क्योंकि वे अधिकांश करों का भुगतान कर रहे हैं। उन्हें कोई कर कटौती नहीं मिल रही है। मुद्रास्फीति अधिक है लागत अधिक है, छात्रों की फीस बढ़ गई है व रहने की लागत बढ़ गई है। हालात में सुधार होने के बावजूद यातायात के कारण शहरों में जीवन की गुणवत्ता खराब बनी हुई है। वे करों की दर में कमी देखना चाहते हैं। पाई उस टैक्स स्लैब नीति के पक्ष में नहीं हैं जो सरकार ने पिछले 2 बजट में पेश की है। उनके अनुसार, आयकर संग्रह 20 से 22 प्रतिशत बढ़ रहा है, इसलिए देश के मध्यम वर्ग के लिए आयकर के कई नए स्लैब और केवल आवास निर्माण के लिए कर्ज में छूट देने की बजाय करों में कटौती करने की आवश्यकता है।

मोहनदास पाई का तर्क केवल देश के मध्यम वर्ग तक ही सीमित नहीं है, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हमारी आबादी के निचले 50 प्रतिशत हिस्से की क्रय शक्ति बढ़ाने की आवश्यकता के साथ–साथ बुनियादी ढांचे के विकास जैसी चुनौतियों पर प्राथमिक ध्यान दिया जाए। इतना ही नहीं, वे मानते हैं कि रोजगार क्षेत्र की वृद्धि को सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए वे वर्तमान चुनौतियों पर काबू पाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर देते हैं। 80 प्रतिशत नौकरियों में 20,000 रुपए से कम वेतन मिलता है और यह एक समस्या है। वे आगे कहते हैं कि हमें कर आतंकवाद को रोकना होगा। पाई ने प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.)पर मामलों को पूरा करने और उन्हें निर्धारित समय सीमा में जवाबदेह ठहराने के लिए चार्ज शीट दाखिल करने पर ध्यान केंद्रित करने पर भी जोर दिया। उनके अनुसार 'टैक्स आतंकवाद भारत के लिए बड़ा खतरा है। चूंकि पूरी तस्वीर सामने नहीं आई है, इसलिए विश्लेषकों को अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति बताने के लिए पेश किए गए आंकड़ों के पीछे जाना होगा। इसलिए, जहां स्थापित अर्थशास्त्री बजट की प्रशंसा करते हैं, वहीं आलोचक यथार्थवादी स्थिति प्रस्तुत करते हैं और इसमें वैकल्पिक व्याख्या का महत्व निहित है। यह समस्या, महत्वपूर्ण डेटा की अनुपलब्धता और इसके हेर–फेर से और बढ़ गई है। उदाहरण के लिए, जनगणना 2021 का इंतजार है। 2022 की शुरूआत के बाद महामारी समाप्त हो गई और अधिकांश देशों ने अपनी जनगणना कर ली है, लेकिन भारत में यह प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है।

जनगणना डेटा का उपयोग डेटा संग्रह के लिए उपयोग किए जाने वाले अधिकांश अन्य सर्वेक्षणों के लिए नमूना तैयार करने के लिए किया जाता है। फिलहाल, 2011 की जनगणना का उपयोग किया जाता है, लेकिन उसके बाद से हुए बड़े बदलावों को इसमें शामिल नहीं किया जाता है। इसीलिए, परिणाम 2024 की स्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। प्रो. कुमार के अनुसार, "सरकार द्वारा प्रतिकूल समाचारों का खंडन भी एक अहम कारण है। क्योंकि यह आलोचना के उस झ्क्षवदू को भूल जाता है जो परिभाषा के अनुसार बड़ी तस्वीर और उसकी कमियों पर केंद्रित है।

यह सच है कि जैसे–जैसे अर्थव्यवस्था बढ़ती है, बहुत सी चीजें घटित होती हैं या बदलती हैं। वहां अधिक सड़कें, उच्च साक्षरता, अधिक अस्पताल, अधिक ऑटोमोबाइल आदि हैं। लेकिन, इनके साथ गरीबी, खराब गुणवत्ता वाली शिक्षा और स्वास्थ्य आदि भी हो सकते हैं। प्रो कुमार के अनुसार, "आधिकारिक डेटा आंशिक है और प्रतिकूल परिस्थितियों को छुपाने के लिए इसमें हेर–फेर किया गया है।

इसीलिए एक वैकल्पिक तस्वीर तैयार करने की जरूरत है जो देश में बढ़ती आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता और बढ़ते संघर्ष की वास्तविकता को दर्शाती हो।'' इन हालातों में आगामी आम बजट में देशवासियों को क्या राहत मिलती है ये तो बजट प्रकाशित होने के बाद ही पता चलेगा। लेकिन जाने–माने आर्थिक विशेषज्ञों के इस विश्लेषण को मोदी सरकार को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

मिर्जापुर, जिसकी कुछ और है असल पहचान

–उमेश चतुर्वेदी–

ओवर द टॉप यानी ओटीटी का मशहूर प्रोग्राम है मिर्जापुर। इसकी लोकप्रियता इतनी है कि इसका तीसरा सीजन दर्शकों के सामने हाजिर है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह इसके शुरूआती दो सीजन को दर्शकों का प्यार हासिल हुआ, एक बार फिर वैसा ही स्नेह हासिल करने में यह कामयाब रहेगा। मिर्जापुर की सफलता का राज है, इसका बोल्ड कथानक और संवाद। जिसमें ठेठ भोजपुरी अंदाज में गालियों की भरमार है, परिवार के बीच अविश्वसनीय लगने वाला व्यभिचार है। माफिया है, माफिया है तो गोली–बारूद भी होगा। वर्चस्व की जंग भी होगी और राजनीति से उसके काले रिश्ते भी होंगे। जब इतना कुछ होगा तो राजनीति की गोटियां भी होंगी। राजनीतिक उठापटक भी है और राजनीति को साधने के लिए धन, ताकत और सेक्स का तड़का भी है।

लेकिन इसमें कुछ नहीं है तो वह है मिर्जापुर। मिर्जापुर की ना तो इसमें मिठास है, ना ही संस्कृति है और ना ही इतिहास। इसलिए जो भी ओटीटी वाले मिर्जापुर से गुजरता है, वह मान लेता है कि मिर्जापुर की धरती त्रिपाठी परिवार जैसे माफियों की बारूद की गंध और गोली की आवाज के बीच ही कहीं अपना अस्तित्व बचाए हुए है, जहां परिवार के अंदर ही अवैध संबंधों की बहुलता है। जहां हर किसी की जिंदगी माफिया के ही इर्द–गिर्द घूमती रहती है। इसके पहले सीजन के सुपर हिट होते वक्त दिल्ली में तैनात एक दक्षिण भारतीय बड़े अधिकारी ने पूछ लिया था कि क्या मिर्जापुर ऐसा ही है, जहां हर व्यक्ति गालियां ही देता रहता है, जहां माफिया राज ही चलता रहता है। ओटीटी पर मिर्जापुर का जब भी नया सीजन आता है, मिर्जापुर के निवासियों के सामने नए सिरे से सवालों की बौछार शुरू हो जाती है। जाहिर है कि वे सारे सवाल मिर्जापुर सीरीज के जरिए रची गई छवि के इर्द–गिर्द ही होती है। मिर्जापुर के मूल निवासी एक बड़े पत्रकार ने तो अब इस बारे में सफाई देनी ही बंद कर दी है। आखिर कितने लोगों को वे बता सकते हैं कि मिर्जापुर वैसा ही नहीं है, जैसा ओटीटी के सीरीज में दिखाया जा रहा है।

इसे संयोग ही कहेंगे कि मिर्जापुर से जुड़ी एक काल्पनिक रचना रही चंद्रकांता और दूसरी काल्पनिक रचना है मिर्जापुर सीरीज। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में मिर्जापुर की ही धरती पर रची गई चंद्रकांता। बाबू देवकीनंदन खत्री की यह रचना काल्पनिक होते हुए भी इतनी दिलचस्प है कि उसे अगर पढ़ना शुरू किया तो खत्म किए बिना छोड़ना आसान नहीं है। 1888 में यह रचना छपी थी, तब उसकी लोकप्रियता ऐसी थी कि उसे पढ़ने के लिए लोगों ने हिंदी तक सीखी। कुछ वैसी ही लोकप्रियता मिर्जापुर सीरीज की भी है। कुछ वैसी ही काल्पनिक सीरीज भी है। लेकिन चंद्रकांता और मिर्जापुर में एक अंतर है। चंद्रकांता मिर्जापुर की छवि को नए सिरे से गढ़ती है, जबकि मिर्जापुर उसे बदरंग बनाती है। मिर्जापुर वैसा नहीं है, जैसा उसे सीरीज दिखाता है। मिर्जापुर की और भी पहचान है। यह बात और है कि तकनीकी क्रांति के दौर में वह पहचान मिर्जापुर सीरीज जैसे प्रयासों के पीछे कहीं छुपती जा रही है। भारत राष्ट्र की अस्मिता की पहचान है अशोक चिन्ह। अशोक महान ने इसे जिस लाल पत्थर पर खुदवाया, वह सिर्फ मिर्जापुर में ही मिलता है। बौद्ध स्तूप हों या बौद्ध धर्म के अन्य प्रतीक, ज्यादातर मिर्जापुरी लाल पत्थर पर ही गढ़े गए हैं। सिर्फ देवकीनंदन खत्री ही नहीं, हिंदी साहित्य के कई अन्य दिग्गजों की जन्मभूमि मिर्जापुर है। हिंदी साहित्य के भारतेंदु युग के महत्वपूर्ण निबंधकार रहे बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में उन्होंने मिर्जापुर से ही 'आनंद कादंबिनी' नामक पत्रिका निकाली। हिंदी के प्रसार में ताजिंदगी जुटे रहे प्रेमघन में निबंध और प्रबंध काव्य की कई अनमोल रचनाएं दी हैं। हिंदी के आदि आलोचक रामचंद्र शुक्ल पर भी मिर्जापुरी माटी का कर्ज रहा। उनके पिता मिर्जापुर में तैनात थे, लिहाजा उनके शुरूआती जीवन का बड़ा हिस्सा यहीं गुजरा, प्रारंभिक शिक्षा–दीक्षा भी यहीं हुई और यहीं से उनकी रचनात्मकता के अंकुर फूटे। हिंदी की पहली कहानी कौन है, इस पर एक राय नहीं है। लेकिन जिन कहानियों को पहली कहानी की सूची में हिंदी के आलोचक शामिल करते हैं, उनमें से एक कहानी है, 'दुलाईवाली'। यह कहानी 1907 में प्रकाशित हुई थी। इस कहानी की ना सिर्फ रचनाभूमि मिर्जापुर है, बल्कि इसकी रचनाकार भी मिर्जापुर की ही वासी रहीं। राजेंद्र बाला घोष ने इस कहानी को लिखा था। जो बंग महिला के नाम से तब रचनारत थीं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा रची गई छवि से इतर मिर्जापुर की अपनी अलग पहचान है। मिर्जापुर में ही मां विंध्यवासिनी देवी का स्थान है। महात्रिकोण पर उनका मंदिर है। महात्रिकोण की यात्रा के बिना विंध्यवासिनी देवी की परिक्रमा पूरी नहीं मानी जाती। पहले संकट मोचन मंदिर में मत्था नवाने की परंपरा है। फिर काली खोह की यात्रा होती है। इसके बाद अष्टभुजी मंदिर का दर्शन और आखिर में विंध्याचल देवी दर्शन से यह तीर्थ पूरा होता है। मान्यता है कि भगवान राम ने यहीं पर अपने पिता दशरथ का श्राद्ध किया था। जहां उन्होंने शिव लिंग की स्थापना की, जो वाराणसी शहर से दक्षिण–पश्चिम में स्थित है। इस मंदिर को रामेश्वर और इलाके को अब शिवपुर के नाम से जाना जाता है।

कभी मुंबइया मसाला फिल्मों के लिए एक खास फॉर्मूला होता था, जिसमें सौंदर्य होता था, सेक्स की छौंक होती थी और कुछ मारधाड़ के नजारे होते थे। आज के ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर सफलता के लिए कुछ उसी अंदाज में मसालेबाजी में व्यवसायिक सफलता की सीढ़ी तलाश रहे हैं। इसी चलन में मिर्जापुर सीरीज भी उभर कर सामने आई है। मिर्जापुर में सिर्फ मिर्जापुर का नाम ही है, बल्कि मिर्जापुर की ना तो आत्मा है और ना उसका स्थूल रूप। उसकी बुनियादी पहचान गायब है। ऐसे में मिर्जापुर निवासी क्षुब्ध ना हों तो ही आश्चर्य होगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

रामपुर में प्राइवेट व रोडवेज बस की आमने–सामने भिड़ंत, तीन की मौत और 26 घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। हरिद्वार से यात्रियों को लेकर सोमवार जमुनहा वापस लौट रही प्राईवेट बस की रामपुर में निगम की बस से आमने सामने भिड़ंत हो गई। घटना में जमुनहा तहसील क्षेत्र निवासी तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि 26 लोग घायल हो गए। जिन्हें आसपास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, घटना की सूचना के बाद परिजन निजी साधनों से घटनास्थल को रवाना हो गए। जमुनहा तहसील क्षेत्र से प्राइवेट बस यूपी 70 बीटी 0592 बुक कराकर 49 लोग बुधवार शाम शांतिकुंज हरिद्वार गए थे। जहां से सभी सोमवार को वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही बस रामपुर जिले के थाना मिलक नगर हाईवे स्थित भैरव बाबा मंदिर पहुंची तभी सामने से आ रही साहिबा बाग डिपो की बस यूपी 32 एमएन 8147 से आमने सामने भिड़ंत हो गई। करीब चार बजे सुबह हुए हादसे के वक्त बस में सवार सभी लोग सो रहे थे। टक्कर काफी तेज होने के कारण रोडवेज बस चालक सहित प्राईवेट बस में सवार मल्हीपुर थाना क्षेत्र के वीरगंज बाजार निवासी मनोहर मौर्या (60) पुत्र स्वामी दयाल, कथरा बाजार निवासी जगदीश गुप्ता (45) पुत्र सुंदर लाल गुप्ता व हरीराम विश्वकर्मा (60) पुत्र छोटे की मौत हो गई। जबकि 26 लोग घायल हो गए जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मल्हीपुर निवासी अमित गुप्ता पुत्र जगदीश प्रसाद, जमुनहा निवासी रवी पुत्र दिनेश कुमार, शिव कुमार पुत्र रामस्वरूप, राजेश कुमार पुत्र कमल प्रसाद, रामसुमोहित पुत्र चंगुम, लक्ष्मनपुर कोठी निवासी पवन पुत्र शिवनारायन, कन्हैया पुत्र पवन कुमार, अभिनंदन पुत्र कृष्ण पाल, कन्हैया पुत्र अनिल कुमार, संगीता पत्नी पवन, अंशिका पुत्री पवन, लक्ष्मनपुर गंगापुर निवासी प्रहलाद पुत्र रामलखन, भगवानपुर निवासी सत्यपाल पुत्र जगन्नाथ सिंह व हरदत्त नगर गिरंट के देवरनिया निवासी अभय पुत्र शिवकुमार, जयलाल पुरवा निवासी कमलेश पुत्र गोमती, गिरंट बाजार निवासी रविनंदन पुत्र कृष्ण पाल, पुष्पेंद्र व रविनंदन पुत्रगण कृष्ण गुप्ता, कृष्ण गुप्ता पुत्र सुंदर लाल, ममता पत्नी तीरथ, कमलेश कुमार पुत्र राम प्रसाद, कमलेश कुमारी पत्नी रामप्रसाद, सुजानडीह निवासी बेचन पुत्र छोटू, रामपति पत्नी राम समोहित, रेशमा पत्नी बेचन, रमेश पुत्र सीताराम घायल हो गए। इनमें से प्रहलाद, अभिनंदन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

गला रेता फिर पेट फाड़कर की युवक की हत्या

संवाददाता–देवरिया। जिले में रोंगटे खड़े कर देने वाली एक घटना हुई है। यहां सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के हिछौरा गांव के बाहर चकरोड पर एक युवक की गला रेतकर और पेट फाड़ कर निर्मम हत्या कर दी गई है। इस वारदात को रविवार की रात में अंजाम दिया गया। सोमवार की सुबह टहलने जा रहे लोगों ने शव देख कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुटी है। सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के हिछौरा गांव निवासी आकिब अहमद (उम्र 22 वर्ष) पुत्र शमीम अहमद रविवार की रात 11 बजे पिता के साथ भोजन कर बाहर दरवाजे पर मच्छरदानी लगाकर सोने चला गया। सोमवार की सुबह उसका शव गांव के बाहर चकरोड पर मिला। देर रात गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास उसकी गला रेत कर और पेट फाड़ कर निर्मम हत्या की गई। घटना की सूचना फैलते ही मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों की सूचना पर पहुंचे सीओ दीपक शुक्ल और कोतवाल उमेश कुमार बाजपेयी फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। उन्ह्होंने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्ह्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। आकिब के पिता दो वर्ष पहले प्रधानाध्यापक पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उसकी मौत के बाद माता–पिता का रो–रोकर बुरा हाल है। आकिब तीन भाइयों में छोटा था। दो भाई विदेश रहते हैं। वह स्नातक का छात्र था। सीओ दीपक शुक्ल ने बताया कि एक युवक की हत्या हुई है।

जलाभिषेक करने को भक्तों की उमड़ी भीड़, गूंजते रहे बम भोले के जयकारे

संवाददाता–गोण्डा। जिले के पौराणिक एवं ऐतिहासिक पृथ्वीनाथ भीमेश्वर महादेव मन्दिर और शहर के दुखहरण नाथ मंदिर समेत सभी शिवालयों में सावन के पहले सोमवार को अपार भीड़ उमड़ पड़ी। तीसरे पहर से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया, जलाभिषेक के लिए होड़ लग गई। देखते–देखते उमस व सूरज से लुपाछुपी में भक्तों की लम्बी–लम्बी लाइनें लग गई।भक्तों की आस्था के आगे उमस डिगा न सकी।महिलाओं को जलाभिषेक में कोई असुविधा न हो इसके लिए उनकी अलग से लाइन की व्यवस्था रही। लोगों ने बारी–बारी से जलाभिषेक किया।पुलिस बल चप्पे–चप्पे पर मुस्तैद रही। पार्किंग व्यवस्था न होने के कारण वाहनों के खड़े होने से आने जाने वाले श्रद्धालुओं को जाम में जूझना पड़ा। पृथ्वी नाथ मंदिर का पट खुलते ही मंदिर परिसर व गर्भगृह हर–हर महादेव,बम–बम भोले,नमः शिवाय बम बम बोले हर हर भोले से गूंजायमान हो गया। मंदिर के मुख्यद्वार से महिलाओं व पुरुषों की लंबी–लंबी कतारें लग गईं। भक्तों ने गंगाजल, दूध, बेलपत्र, समी, भांग, धतूर, पुष्प, माला के साथ जलाभिषेक कर मनवांछित फल की कामना की। महिलाओं ने व्रत रख पूजन अर्चन किया। मंदिर के महंत पंडित जगदम्बा प्रसाद तिवारी ने बताया कि सावन सोमवार को अपार भीड़ होती है।तीसरे पहर से लोग जलाभिषेक कर रहे हैं। इस बार हर वर्ष से बहुत ज्यादा भीड़ है। जलाभिषेक का कार्यक्रम शाम तक ऐसा ही चलता रहेगा। शाम को व्रत रखने वाली हजारों महिलाएं मां पार्वती का शृंगार पूजन कर आरती में शामिल होती हैं।

जाति, धर्म का भेद भूलकर सारे व्यापारी एक हों –कंछल

संवाददाता–बहराइच। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की रुपईडीहा शाखा का शपथ ग्रहण समारोह व व्यापारी एकता महासम्मेलन स्थानीय धर्मशाला में रविवार की रात सम्पन्न हुआ। प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कहा कि जाति, धर्म का भेदभाव भूलकर सारे व्यापारियों को एक जुट होना है। आपकी एकजुटता के आगे सरकारें भी झुकती हैं।

भामाशाह का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आज भी व्यापारी जीएसटी सहित तमाम टैक्स सरकार को देता है। हमारे आपके टैक्स से ही सरकारें चलती हैं। व्यापारी देता रहता है लेता कुछ नहीं। किसी व्यापारी को कोई समस्या होगी तो मैं आधी रात को आपके फोन पर तीन घंटों में लखनऊ से यहां पहुंच जाऊंगा। प्रदेश महामंत्री सचिन कंछल, नानपारा के विधायक राम निवास वर्मा, बहराइच जिलाध्यक्ष कालिका प्रसाद गुप्ता आदि लोगों ने संगठन को जुझारू व एकताबद्ध बनाने की अपील की। रुपईडीहा के अध्यक्ष शैलेश जायसवाल, महामंत्री योगेंद्र शर्मा व कोषाध्यक्ष संतोष अग्रवाल सहित सदस्यगण मनीष अग्रवाल, महेंद्र जायसवाल, श्याम अग्रवाल, राजकुमार वैश्य, संतोष कसौंधन, अनुराग कौशल, शिवम गुप्ता, आशीष अग्रवाल, मोहम्मद आलम, आशीष यज्ञसैनी व बसंत चक्रवर्ती आदि को प्रदेश अध्यक्ष कंछल ने संगठन के प्रति प्रतिबद्धता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश चंद, जिला पंचायत सदस्य संदीप जायसवाल, पूर्व व्यापार संघ महामंत्री संजय बंसल, पूर्व प्रधान मो.जुबेर फारूकी सहित भारी संख्या में रुपईडीहा के व्यापारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर रुपईडीहा के पदाधिकारियों ने स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन सुशील बंसल ने किया।

तालाब में नहाने गए तीन बच्चे पानी में गिरे, दो की डूबने से मौत

संवाददाता–गोण्डा। जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र के करदा सगरा गांव स्थित सुग्गा गाड़ा तालाब में सोमवार की सुबह नहाने गए दो बालकों की मौत हो गई। तालाब में तीन बालक नहाने गए थे। शोर सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने एक बालक को बचा लिया। उसे गंभीर हालत में कस्बे के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

गांव के तीन बच्चे तिलकराज (11) पुत्र जिलई, शुभम (12) पुत्र विजय कुमार चौहान व आकाश (10) पुत्र उदयराज सोमवार की सुबह बकरी चराने के लिए घर से निकले थे। तीनों गांव के समीप ही स्थित सुग्गा गाड़ा तालाब में नहाने लगे। नहाते समय अचानक तीनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। तालाब के बाहर खड़े तिलकराज के बड़े भाई राजेश ने शोर मचाते हुए डूब रहे बालकों को बचाने की गुहार लगाई। शोर सुनकर पास के खेतों में धान की रोपाई कर रहे लोग दौड़े और तीनों बालकों को बेहोशी की हालत में तालाब से बाहर निकाला गया।

हादसे की सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष अभय सिंह तिलकराज व शुभम को सीएचसी वजीरगंज ले गए। जहां अधीक्षक डॉ. आशुतोष शुक्ल ने दोनों बालकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि आकाश की सांसें चलती देख परिवार वाले कस्बे के निजी अस्पताल लेकर भागे। जहां उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एक ही गांव के दो बालकों की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। तिलकराज दो भाईयों में छोटा था, परिवार में बड़ा भाई राजेश ((13) और मां गीता है। राजेश ने बताया कि वजीरगंज थाना क्षेत्र के ही दुर्जनपुर पचूमी सराय खत्री गांव के वह मूल निवासी हैं। मगर उसके पिता ने कई साल पहले उन्हें छोड़ दिया था तभी से वह सभी करदा सगरा गांव में ननिहाल में रहते हैं। तिलकराज बंधवा स्थित एक मांटेसरी स्कूल में 6वीं का छात्र था। शुभम दो भाईयों में छोटा था। परिवार में बड़ा भाई तालुकदार (18), बहन शर्मिला (15) है। पिता गुजरात में रहकर मजदूरी करते हैं। मां की तीन माह पहले मौत हो गई थी। गांव के लोग परिवार वालों को ढांढ़स बंधाने में लगे हैं।

मधुर उपासना कि सिद्धपीठ रंग महल में हिंडोली पर विराजे सरकार,एक महीने तक होता है झूलनोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या । जहां अन्य मंदिरों में सावन माह के उत्तरार्द्ध्ध में आराध्य का झूला पड़ता है, वहीं मधुर उपासना परंपरा की शीर्ष पीठ रंगमहल में सावन माह की पूर्व संध्या यानी आषाढ़ पूर्णिमा से ही आराध्य का झूला तन जाता है। भगवान राम के प्रति माधुर्य भाव का पर्याय झूलन महोत्सव रामनगरी के आम मंदिरों में सावन शुक्ल तृतीया से शुरू होता है, पर रंगमहल में यह उत्सव 19 दिन पूर्व शुरू होता है। इसके पीछे श्रीराम के प्रति माधुर्य भाव की प्रबलता है। रंगमहल में इस विशिष्ट विरासत के सूत्रधार पहुंचे संत स्वामी सरयू शरण थे। वह उस श्रेणी के साधक थे, जिनके लिए आराध्य विग्रह मृण्मय मूर्तियां न होकर चिन्मय–चौतन्य विग्रह थे और इस सत्य को वह आराध्य को सतत सहचर के रूप में अनुभूत करते थे। सरयू शरण महाराज की यह भाव–भावना उस रंगमहल के रूप में मूर्तिमंत हुई, जिसे उन्होंने दो सौ वर्ष पूर्व प्रतिष्ठित किया। यह विरासत आज भी पूरी आस्था से प्रवाहमान है। चाहे राम विवाहोत्सव हो या सावन का झूलनोत्सव।

भगवान राम को हृदयांगन में पूरे माधुर्य से स्थापित करने वाला महापर्व सावन यहां अपनी गरिमा और परंपरा के अनुरूप परिलक्षित होता है। हिडोले पर तो भाइयों एवं उनकी पत्नियों सहित श्रीराम एवं मां सीता के विग्रह स्थापित होते हैं, पर भाव ऐसा होता है कि हिडोले पर विग्रह के रूप में साक्षात परमात्मा मां भगवती एवं अनेक अंशावतार के साथ विराजे हों। रम्यता का पर्याय सावन का एक–एक पल आराध्य से जुड़कर दिव्य–दैवी स्पर्श पा सके, इस निमित्त सावन माह की पूर्व बेला यानी आषाढ़ पूर्णिमा से ही यहां आराध्य के साथ झूलनोत्सव की शाम भी सज जाती है और पूरे एक माह चलती है, जिसमें अनेक स्थापित संगीतज्ञ भक्ति गीतों से आराध्य को रिझाते हैं।

वर्तमान पीठाधीश्वर महंत रामशरण दास जी महाराज कहते है कि हमारी श्वांस–प्रश्वास आराध्य के साथ स्पंदित होती है और झूलनोत्सव में हम यह अनुभव करते हैं कि वे पूरी चौतन्यता से हमारे साथ हैं। इस भाव की पुष्टि प्रत्येक वर्ष सावन शुक्ल एकादशी के मौके पर यहां सजने वाली गलबहियां की झांकी है। मान्यता है कि सावन के आह्लाद से भर कर भगवान राम और भगवती सीता के विग्रह एक–दूसरे के कंधे में बांह डाल कर सावन की मनोहारी भावधारा में डुबकी लगाते हैं। रंगमहल के मुख्य पुजारी साकेत दास जी महाराज ने बताया कि प्रतिदिन ठाकुर जी झूले पर विराजमान होकर के अपने भक्तों को दर्शन देते हैं लेकिन इसे एक महीने में दो प्रमुख कार्यक्रम होते हैं जिसमें एक दिन ठाकुर जी फूल बंगले में विराजेंगे और असर शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को गलबहियां का उत्सव मनाया जाएगा जिसका दर्शन करने के लिए अयोध्या ही देश के कोने–कोने से संत महंत एवं श्रद्धालु आते हैं और ठाकुर जी का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

सीएचसी अधीक्षक के समर्थन में लामबंद हुए चिकित्सक व कर्मी

संवाददाता–बलरामपुर। एक आशा के सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर सुमंत सिंह चौहान पर छेड़खानी का आरोप लगाने से चिकित्साधीक्षक के समर्थन में आशा और सभी स्वास्थ्यकर्मी लामबंद हो गए। सोमवार को सुबह ओपीडी बंद कर चिकित्सक, आशा, सीएचओ सहित अस्पतालकर्मियों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। सीएचसी पर स्वास्थ्य सेवाएं ठप होने से मरीजों को परेशानी उठानी पड़ी। चिकित्सक व अस्पताल कर्मियों का कहना था कि आशा अक्सर लोगों पर आरोप लगाकर इस तरह का काम करती है, जिससे कर्मी भयभीत हैं। सीएचसी कर्मियों के कामकाज बंद करने की सूचना मिलते ही सीएमओ ने तत्काल अधीक्षक से बात कर निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद ओपीडी शुरू हो सकी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात एक आशा ने पिछले दिनों अधीक्षक पर छेड़खानी का आरोप लगाया था। अस्पताल कर्मियों का कहना है कि यह आशा काफी समय से विवादित है। जब भी काम का दबाव डाला जाता है तो यह इस तरह का आरोप लगा देती है। इसी बात को लेकर सीएचसी तुलसीपुर के अधीक्षक डॉ सुमंत सिंह चौहान के समर्थन में सोमवार को अस्पताल के सभी चिकित्सक व कर्मी लामबंद हो गए।

धारदार हथियार से वार कर युवक की हत्या, बाग में पड़ा मिला शव

संवाददाता–बहराइच। पयागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा पहलवारा में सोमवार को सुबह एक युवक का शव गांव के बाहर एक बाग में मिला जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना पर थानाध्यक्ष करुणाकर पाण्डेय मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। मृतक की पहचान सैनी उम्र (32वर्ष) पुत्र अयोध्या सैनी निवासी जयनगरा जिला गोंडा के रुप में की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक की ससुराल पहलवारा में ही है जिसकी शादी 15 वर्ष पूर्व गांव के ही घनश्याम सैनी की पुत्री के साथ हुई थी लेकिन आठ वर्षो से पत्नी से विवाद होने के कारण पांच वर्षो से यहीं एक मकान बनाकर अलग रह रहा था। पत्नी और बच्चे मृतक के ससुर के साथ मुंबई मे कई वर्षो से रह रहे हैं। मृतक के सिर पर गम्भीर चोट से यह स्पष्ट होता है कि किसी ने सिर पर वार किया है जिसके कारण अत्यधिक रक्त स्राव होने से मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक बृंदा शुक्ला, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस क्षेत्राधिकारी हीरा लाल कनौजिया सहित तमाम लोगों ने घटनास्थल पहुंचकर जांच की है। वहीं, फोरेंसिक टीम भी बुलाकर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हत्या में प्रथमदृष्टया अराजक तत्वों की संलिप्तता प्रतीत हो रही हैं फिलहाल शीघ्र ही खुलासा किया जाएगा। इसके लिए टीम बनाई जा रही है।

मुस्लिम युवकों ने दलित लड़कियों से की छेड़छाड़, विरोध करने पर धारदार हथियार से किया हमला, पांच घायल

संवाददाता–बहराइच। तीन दलित युवतियों से छेड़छाड़ का विरोध करने पर बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। इससे एक लड़की सहित पांच लोग घायल हो गए।। सूचना मिलने पर पुलिस ने इस मामले में 9 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है।

ये घटना नानपारा क्षेत्र का है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण क्षेत्र) पवित्र मोहन त्रिपाठी ने सोमवार को बताया कि नानपारा कोतवाली क्षेत्र के मोतीसिंह पुरवा गांव के रहने वाले दलित समुदाय के एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई कि रविवार शाम उसके परिवार की तीन लड़कियां बोधवा चौराहे पर कुछ सामान खरीदने गयी थीं। तभी बाजार में मांस की दुकान चलाने वाले सलमान और असलम ने लड़कियों से छेड़छाड़ की। लड़कियों और उनके साथ आए एक लड़की के भाई ने विरोध किया तो बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। एसएसपी के मुताबिक जब लड़कियों को बचाने के लिए उनके परिवार और गांव के अन्य लोग पहुंचे तो हमलावर अपनी दुकान से मांस काटने वाली छुरियां व धारदार हथियार ले आए और हमला कर दिया। इस घटना में एक लड़की और चार युवक घायल हो गये जिन्हें स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया गया है तथा एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे बहराइच जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जातिअनुसूचित जनजाति अधिनियम की सुसंगत धाराओं में नौ युवकों को नामजद करते हुए मामला दर्ज किया है। एसएसपी ने बताया कि छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और तफ्तीश में नौ नामजद अभियुक्तों के अलावा तीन और हमलावरों की पहचान की गयी है। अन्य आरोपी भी जल्द ही गिरफ्तार किये जाएंगे। वहीं, दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण घटना की संवेदनशीलता के मद्देनजर इलाके में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा फिलहाल क्षेत्र में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

हर हर महादेव के जयघोस से गूंजते रहे शिवालय

संवाददाता–श्रावस्ती। सावन के पहले सोमवार पर मंदिरों व शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में शिव भक्त शिवालयों में पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर मनोवांछित फाल की कामना की। भीड़ को नियंत्रित करने व सुरक्षा को लेकर भारी संख्या में पुलिस टीमें तैनात रही। सिरसिया क्षेत्र के हिमालय की तलहटी में स्थित पांडव कालीन विभूतिनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए भारी भीड़ रही। जनपद के साथ ही पड़ोसी जनपद बलरामपुर, बहराइच व नेपाल राष्ट्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु विभूतिनाथ मंदिर जलाभिषेक करने पहुंचे। मंदिर पर रविवार शाम से ही भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। रात में ही स्नान कर शिवकुंड व पार्वती कुंड से जल भरकर लोग दो बजे से ही कतार में लग गए। चार बजे मंदिर का कपाट खुलते ही जलाभिषेक करने का सिलसिला शुरू हो गया। लोगों ने फल, फूल, भांग, धतूरा, अक्षत, दूध आदि से भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित किया। जलाभिषेक का यह सिलसिला देर शाम तक चलता रहा और मंदिर परिसर भगवान भोलेनाथ के जयघोष से गंजायमान होता रहा। लोगों को सुविधाजनक तरीके से जलाभिषेक कराने के लिए महिला व पुरुष के लिए अलग अलग बैरिकेडिंग बनाई गई थी। वहीं व्यवस्था व सुरक्षा को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। स्वास्थ्य सुविधा के लिए चिकित्सा विभाग की ओर से कैम्प लगाया गया। दमकल वाहन तैनात रही व एम्बुलेंस भ्रमणशील रही। अलग अलग स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई थी।

हर–हर महादेव से गूंजे शिवालय, मंदिरों में उमड़ी आस्था

संवाददाता–देवरिया। सावन के पहले सोमवार को जिलेभर में शिवभक्ति की धूम रही। शहर से लेकर गांव तक लोग शिवालयों में जलाभिषेक करने उमड़ पड़े। चहुंओर हर–हर महादेव की गूंज सुनाई देती रही। शहर के सोमनाथ मंदिर, रुद्रपुर के दुग्धेश्वर नाथ मंदिर, मझौलीराज के दीर्घेश्वर नाथ मंदिर, जंगली नाथ समेत अन्य मंदिरों में लाखों लोगों ने जलाभिषेक किया। शहर के सोमनाथ मंदिर में आधी रात को षोडषोपचार पूजन शुरू हो गया। पुजारी भोला गिरी के निर्देशन में करीब दो घंटे तक पूजन अर्चन होता रहा। भगवान की आरती हुई। इसके बाद भोर में ही श्रद्धालुओं के दर्शन पूजन के लिए मंदिर के पट खोल दिए गए। पट खुलते बाहर प्रतीक्षा कर रहे श्रद्धालु हर हर महादेव बोल उठे। हाथों में जल, अक्षत, बेलपत्र, भांग, धतूरा, पुष्प आदि लिए हुए श्रद्धालु गर्भगृह की ओर बढ़ चले। अंदर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित किया। इसके बाद एक एक कर पूजन सामग्री शिव को चढ़ाया। भाव विह्वल श्रद्धालुओं का दल ऊँ नम शिवाय का जप करता रहा। इसके बाद माता पार्वती, आदिदेव गणेश, भगवान कार्तिकेय, नंदी समेत सभी का पूजन अर्चन किया। गर्भगृह के बाहर खड़े होकर कुछ लोगों ने शिव तांडव स्तोत्र का सस्वर पाठ किया। इसकी गूंज अन्य श्रद्धालुओं को भी आनंदित करती रही। दर्शन पूजन का यह सिलसिला तीसरे पहर तक जारी रहा।

पहले सोमवार को भारी भीड़ के चलते सोमनाथ मंदिर के बाहर लंबी कतार लगी रही। यहां महिला व पुरुष अलग अलग कतार में खड़े होकर गर्भगृह तक पहुंचने की प्रतीक्षा करते रहे। भीड़ के चलते लोगों को शिवलिंग तक पहुंचने में आधे से एक घंटे तक का समय लगा। गेट पर बारी बारी से एक बार में पांच महिला श्रद्धालुओं को और दूसरी बार में पांच पुरुष श्रद्धालुओं को अंदर जाने दिया गया। यहां तैनात सोमनाथ मंदिर समिति के स्वयंसेवक व्यवस्था संभालने में जुटे रहे। बाहर पुलिसकर्मी भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे रहे। शिवालयों के बाहर पूजन सामग्री की दुकानों पर भी श्रद्धालु की भीड़ रही। इन दुकानों पर बेलपत्र, धतूरा, जल, अक्षत, भांग, फूल, माला आदि बिक रहे थे। श्रद्धालुओं पात्र में जलभर दुकानों से पूजन सामग्री लेकर गर्भगृह में जल अर्पित किए। शहर में सोमनाथ मंदिर के साथ साथ कचहरी चौराहा स्थित शिवालय में भी लोगों ने दर्शन पूजन किया। यहां भोर से लेकर दोपहर तक श्रद्धालु आते रहे। पुलिस मंदिर स्थित शिवालय, नई कालोनी स्थित सिद्धेश्वरनाथ मंदिर, हाईडिल कालोनी भटवलिया स्थित शिवालय, श्री रामजानकी मंदिर स्थित शिवालय, श्री मनोकामनापूर्ण हनुमान मंदिर स्थित शिवालय के अलावा सभी शिव मंदिरों में लोगों ने दर्शन पूजन किया।

सदर विकास क्षेत्र के बदली गांव में श्री मनोहर जोशी गुरु जी वेद स्वाध्याय केन्द्र स्थित नर्वदेश्वर महादेव शिवलिंग पर शनिवार को सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने वेद वटुकों के साथ रुद्राभिषेक किया। आरती के पश्चात सदर विधायक ने गुरुकुल परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पौधरोपण किया। इस अवसर पर सदर प्रमुख पवन कुमार गुप्त, पिंटू जायसवाल, कमलेश प्रजापति, अर्जुन तिवारी, त्र्यंबक नाथ त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

भीड़ भाड़ वाले शिवालयों पर मजिस्ट्रेट की निगरानी में पुलिस मुस्तैद रही। सोमनाथ मंदिर, दुग्धेश्वरनाथ मंदिर, दीर्घेश्वरनाथ मंदिर समेत सभी प्रमुख शिव मंदिरों पर भारी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने जरुरी तैयारी की थी। मंदिरों में प्रवेश और निकास के लिए अलग –अलग मार्ग, पार्किंग आदि की पूरी निगरानी की व्यवस्था पुलिस के जिम्मे रही।

कड़ी मेहनत के अलावा लक्ष्य प्राप्ति का कोई शार्टकट नहीं –डॉ.ओमप्रकाश

संवाददाता–बहराइच। मदनी इण्टर कालेज में एक कैरियर परामर्श संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बहराइच के पूर्व जिलाधिकारी एवं पूर्व प्रमुख सचिव आईएएस डॉ. ओम प्रकाश रहे। अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक एवं संस्थापक हाजी रईस अहमद कासमी तथा संचालन प्रधानाचार्य डॉ. अरशद रईस ने किया। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी एवं सुलह अधिकारी राकेश चन्द्र श्रीवास्तव रहे। मुख्य अतिथि डॉ. ओमप्रकाश ने कहा कि विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य को निर्धारित करके उसको प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना चाहिए। कठिन परिश्रम ही आपके लक्ष्य को प्राप्त कराता है। इसके अतिरिक्त लक्ष्य पाने का कोई दूसरा शार्टकट इस दुनिया में उपलब्ध नहीं है। उन्होंने सफलता की प्राप्ति के लिए चार बिंदु बताए –कड़ी मेहनत, पक्का इरादा, दूर दृष्टि और अनुशासन ९ राकेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि हमें अपने गुरुजनों एवं माता–पिता का सम्मान करना चाहिए और हमेशा अनुशासित रहना चाहिए। जीवन में सफलता की प्राप्ति के लिए अनुशासन अति आवश्यक है। इस अवसर पर रियाजुर्रहमान मलिक, हिटलर वर्मा, मुशीर अहमद, अतीक अहमद, असद रईस, मोनिस अहमद, धनंजय पाण्डेय, अनीस अहमद, रजनीश पाठक, अंकित मिश्रा, फसी अहमद, दरख्शा खातून, डॉ. अरशद रईस, संध्या मिश्रा, अखलद रईस, मो. मोनिस, उमेश प्रताप सिंह एवं विद्यालय के समस्त छात्र– छात्राएं उपस्थित रहे।

आठ माह तक वरासत न करने के मामले में लेखपाल निलंबित

संवाददाता–बलरामपुर। आठ माह पहले सम्पूर्ण दस्तावेज लेने के बाद भी वरासत न करना हल्का लेखपाल को मंहगा पड़ गया। सोमवार को जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान शिकायत मिलने पर डीएम पवन अग्रवाल ने देवरिया मैनहा के लेखपाल विवेक गौतम को निलंबित करने का निर्देश एसडीएम को दिया है। यही नहीं मौके पर ही शिकायतकर्ता अनिल कुमार की समस्या का समाधान कराते हुए वरासत की प्रक्रिया पूरी कराई। डीएम ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि कार्यालयों में किसी कार्य से आने वाले वाले लोगों का काम निर्धारित समयावधि के भीतर कराया जाए। कार्यालय का बेवजह चक्कर कटवाए जाने की शिकायत मिलने पर सम्बन्धित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। सोमवार को जिले के तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गईं। उतरौला में आयोजित जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम पवन अग्रवाल ने लोगों की शिकायतें सुनीं। समाधान दिवस के दौरान ग्राम देवरिया मैनहा निवासी अनिल कुमार मिश्र पुत्र बद्री प्रसाद ने शिकायती प्रार्थना–पत्र दिया। आरोप लगाया कि उन्होंने आठ माह पहले हल्का लेखपाल विवेक गौतम को वरासत के लिए सभी दस्तावेज दे दिए थे, लेकिन लेखपाल आठ माह से लगातार टालमटोल कर रहे हैं और अब तक उनका वरासत नहीं किया गया, जिससे उनके कई आवश्यक कार्य फंसे हुए हैं। जिलाधिकारी ने मौके पर हल्का लेखपाल को बुलाकर प्रकरण की जांच कराई। शिकायत सत्य मिलने एवं जानबूझकर लेखपाल की ओर से विलंब किए जाने की बात सामने आने पर डीएम ने लेखपाल विवेक गौतम को निलंबित करने एवं विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश एसडीएम अवधेश कुमार को दिया है। डीएम ने कहा कि कोई भी व्यक्ति द्वारा ऐसी शिकायत मिलती है कि बेवजह किसी अधिकारी के कार्यालय का चक्कर काट रहा है तो सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद एवं लॉ आर्डर के मद्देनजर संवेदनशील मामलों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर मामले का निस्तारण कराए। यहां पर 51 शिकायती प्रार्थना–पत्र आए जिसमें से चार का मौके पर निस्तारण कराया गया। इस अवसर पर डीडीओ, तहसीलदार सत्यपाल प्रजापति सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस दफ्तर में बच्चों संग आई महिला ने खुद पर उड़ेला पेट्रोल

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर महिला पुलिस दफ्तर भी अलीगढ़ का पुलिस थाना बनने से बच गया। एक सिपाही की तत्परता ने दफ्तर के अंदर होने वाले एक बड़े हादसे को रोक लिया। सोमवार दोपहर में कैंपियरगंज से आई महिला ने महिला पुलिस दफ्तर के अंदर प्रवेश कर अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क लिया। दो बार लाइटर जलाकर आग लगाने का प्रयास किया, लेकिन लाइटर जला नहीं। इसी बीच पास में खड़े एसएसपी स्कॉट के एक सिपाही ने हिम्मत दिखाई और महिला के साथ से पेट्रोल और लाइटर छीन लिया। दरअसल, महिला पिछले 8 जुलाई से ही कैंपियरगंज थाने में कार्रवाई के लिए शिकायती पत्र लेकर घूम रही है। महिला का आरोप है कि कैंपियरगंज के करमहवां में उसके खेत है। इसी के बगल में कुछ अन्य लोगों का भी खेत है। वे अपनी जमीन के सहारे हमारी जमीन पर दबंगई से कब्जा करना चाहते हैं।

इसे लेकर उनके ऊपर दबान बनाने के साथ जमीन का पैमाइश कराने की बात कहने पर उनके द्वारा गंदी गाली दी जाती है और लाठी डंडा लेकर उन्हें मारने भी दौड़ आते हैं। इसके अलावा विरोधी धमकी देते हैं कि वो पुलिस से नहीं डरते हैं और शिकायत करने पर उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा। इसी सब से निराश होकर महिला सोमवार की दोपहर अपने तीन बच्चों के साथ पुलिस आफिस पहुंच गई। हाथ में पेट्रोल लेकर आई महिला खुद पर पेट्रोल उड़ेल कर आग लगाने की कोशिश में थी। इस दौरान मौके पर मौजूद सिपाही हरीश यादव ने महिला के हाथ से पेट्रोल का डिब्बा और लाइटर छीन लिया। इस घटना की जानकारी होने पर एसएसपी गौरव ग्रोवर ने महिला को बुलाकर मदद करने का आश्वासन दिया है।

सीएम योगी ने दिलाया भरोसा, मेरे रहते मत करें चिंता, सबकी समस्या का कराएंगे समाधान

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हर हाल में सबकी समस्या का समाधान कराया जाएगा। यह उनकी सरकार की प्राथमिकता है। हर मामले में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिनके पास पक्का आवास नहीं है, उन्हें पीएम–सीएम आवास योजना से मकान मिलेगा। जिन्हें इलाज की आवश्यकता है, उनके मुकम्मल इलाज की व्यवस्था की जाएगी। इलाज में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण उसकी संतुष्टि के मुताबिक कराया जाएगा। सीएम योगी ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए।

बड़े इत्मीनान से एक–एक कर उन्होंने सभी लोगों की समस्याएं सुनीं, उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को जरूरी निर्देश के साथ संदर्भित किया और लोगों को आश्वस्त किया कि परेशान मत होइए, समस्या समाधान के लिए त्वरित व प्रभावी कदम उठाया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान इलाज के लिए मदद की गुहार करने आए लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज के लिए इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए कि सभी जरूरतमंदों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं।

पुलिस व राजस्व से संबंधित मामलों में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर मामले में समाधान जल्दी से हो। साथ ही कार्यवाही ऐसी हो कि लोगों को दोबारा परेशान न होना पड़े। जनता दर्शन में कई जिलों से फरियादी पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों को करारा सबक सिखाया जाए। साथ ही गरीबों और जरूरतमंदों के मकान बनवाए जाएं। अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया। इसके अलावा मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान भी उन्होंने परिजनों के साथ आए बच्चों को भी खूब दुलारा। उनसे हंसी ठिठोली के साथ आत्मीय अंदाज में बातचीत की, उन्हें चॉकलेट और आशीर्वाद देकर विदा किया। सावन के पहले दिन सीएम योगी ने की देवाधिदेव महादेव की पूजा, की लोकमंगल की प्रार्थना

सोमवार को पवित्र सावन माह का पहला दिन रहा। एक तो सावन का पहला दिन और उस पर भी सोमवार, भगवान भोलेनाथ की आराधना के लिए लिए इससे अधिक सुखद संयोग क्या होगा। इस पावन सांयोगिक अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवाधिदेव महादेव की विधि विधान से आराधना कर उनसे लोकमंगल की प्रार्थना की। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में स्थापित शिवलिंग पर भगवान शिव को प्रिय वस्तुओं का अर्पण कर उनकी पूजा की और सबके जीवन में आरोग्य, सुख, समृद्धि और शान्ति की कामना की। इसके पहले, सीएम योगी ने गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन पूजन किया और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश नवाया। साथ ही मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में जाकर गोसेवा की। सीएम योगी ने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राम मूरत यादव पुत्र स्व0 श्री राम प्यारे यादव ग्राम– मरहा पोस्ट–कटया थाना नगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरा पुत्र श्याम बहादुर यादव और उसकी पत्नी उपासना यादव परिवार के कहने सुनने में नहीं हैं, आये दिन कलह और विवाद किया करते हैं। वे मुझे और मेरी पत्नी प्रभावती यादव को मारने पीटने के साथ ही घर से भगा देते हैं। इससे प्रार्थी काफी आहत है। मैं अपने पुत्र श्याम बहादुर यादव को अपने और अपनी पत्नी प्रभावती यादव के नाम दर्ज चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन आदि के लिये वह स्वंय जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।– दिनांक 22–07–2024

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
मुकदमा सं0 3965/2024
धारा 116 उ0प्र0रा0सं 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक हर्रैया जिला–बस्ती
श्रीमती ऊषा देवी
बनाम
छत्रपाल सिंह आदि

1. छत्रपाल सिंह 2. प्रहलाद सिंह पुत्रगण चुनमुन सिंह
3. महाराणा प्रताप 4. जगदम्बा कुमार 5. राणा पशुपति प्रसाद 6. शाहवीर 7. विक्रम कुमार पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद सिंह 8. श्रीमती सीतापति पत्नी राजेन्द्र प्रसाद सिंह 9. श्रीमती शारदा सिंह पत्नी विजयनाथ सिंह साकिनान मौजा डिंगरापुर मुश्तहकम तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
10. दिलीप सिंह पुत्र चन्द्रप्रकाश सिंह 11. श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी चन्द्र प्रकाश सिंह साकिन चिलमा तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
12. प्रदीप कुमार सिंह 13. दिलीप कुमार सिंह 14. रणधीर सिंह 15. धर्मवीर सिंह 16. रघुवीर सिंह पुत्रगण चन्द्र प्रकाश सिंह 17. श्रीमती रूक्मणी सिंह पत्नी चन्द्रप्रकाश सिंह 18. हर्षवर्धन सिंह 19. राजवर्धन सिंह पुत्रगण लवकुश सिंह 20. प्रीतिवर्धन सिंह पुत्री लवकुश सिंह 21. श्रीमती गीता सिंह पत्नी लवकुश सिंह साकिनान मौजा डिंगरापुर मुश्तहकम तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 22. विजय पाल पुत्र लखन ग्राम हर्रैया तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 23. श्रीमती भानमती सिंह पत्नी दिलबाहार 24. श्रीमती शैलेश सिंह पत्नी शत्रुघ्न सिंह साकिन डेईडीहा बुजुर्ग तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 25. श्रीमती कुमारी पत्नी सोमई यादव 26. श्रीमती मालती देवी पत्नी रघुनाथ साकिन उमरिया तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 27. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी पुरूषोत्तम ग्राम डेईडीहा बुजुर्ग तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 28. श्रीमती किरन पत्नी दयानन्द ग्राम गोबरहिया तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 29. श्रीमती केशरा देवी पत्नी बुद्धिसागर ग्राम डेईडीहा बुजुर्ग तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 30. ग्राम प्रधान डेईडीहा तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 26–07–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
नि0 सं0 2020531714000182/2020
अदालत– श्रीमान उप संचालक चकबन्दी अधिकारी बस्ती जिला–बस्ती
सुदामा देवी
बनाम
श्रीराम आदि

1. राम बेलास 2. लालमन 3. रामकुमार पुत्रगण श्रीराम साकिन हरनखा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–08–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 06 महीना 08 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 20 माह 07 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

घोषणा

न्यायालय–एफ0टी0सी0/सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर
मूलवाद सं0–118/2023
भोला
बनाम
लापता बृजेश

ग्राम सोहना तप्पा बैनिया परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला–सिद्धार्थ नगर /वो अन्य ने लापता बृजेश पुत्र भोला 2. स्टेट उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी महोदय सिद्धार्थनगर 3. नीलम पुत्री बृजेश 4. बन्धना पुत्री बृजेश निवासी ग्राम ग्राम सोहना तप्पा बैनिया परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला–सिद्धार्थ नगर के सम्बन्ध मे सिविल डेथ उद्घोषणा का वाद संस्थित किया है। यदि उक्त व्यक्ति के बाबत कोई हितबद्ध व्यक्ति हो तो उक्त वाद में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक–05–08–2024 को 10.00 बजे सुनवाई के समय आपत्ति प्रस्तुत करें।

अतः यह उदघोषणा निकाली जा रही है कि उक्त उद्घोषणा वाद में बृजेश पुत्र भोला सोहना तप्पा बैनिया परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला–सिद्धार्थ नगर का सिविल डेथ घोषित कर दिया जायेगा।

आज सन् 2024 के मास 07 के दिवय 22 को दिनांकित

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

संख्याक 6
मृतक प्रतिवादी के विधिक प्रतिनिधि को समन (आदेश 22 का नियम 4)
वाद सं0 49/2012
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बांसी सिद्धार्थनगर
सत्य प्रकाश
बनाम
बंश बहादुर

1/1 उमेश चन्द्र श्रीवास्तव 1/2 दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव 1/3 कैलाश चन्द्र श्रीवास्तव पुत्रगण स्व0 बंश बहादुर लाल साकिन गौरा तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 12–08–2024

वादी/वादीगण ने इस न्यायालय में दिनांक को प्रतिवादी के विरूद्ध वाद संस्थित किया था। प्रतिवादी की अब मृत्यु हो चुकी है और उक्त वादी ने यह अभिकथन करते हुये इस न्यायालय में आवेदन किया है कि आप उक्त मृतक के विधिक प्रतिनिधि हैं और यह इच्छा प्रकट की है कि आपको उसके बदले में प्रतिवादी बनाया जाए।

आपको सम्मन किया जाता है कि आप उक्त वाद में प्रतिरक्षा करने के लिये दिनांक **12–08–2024** को 10:00 बजे पूर्वान्ह इस न्यायालय में हाजिर हों और यदि आप ऊपर बतायी गयी तारीख को उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका अवधारण आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

न्यायाधीश

घर पहुंचा, 15 साल पहले लापता हुआ लड़का

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती में एक घटना ने लोगों को हैरत में डाल दिया है। यहां कप्तानगंज थानाक्षेत्र के हरदी बाबू गांव का रहने वाला विपिन करीब 15 साल पहले रहस्यमय हाल में लापता हो गया था। काफी खोजबीन के बाद भी उसका सुराग नहीं लग सका। फिल्मी अंदाज में अचानक वहीं विपिन जब 15 साल बाद अपने घर पर पहुंचा तो परिजनों के खुशी का ठिकाना नहीं रहा। विपिन ने रोते हुए अपनी आपबीती बयां की। उस पर विश्वास करें तो उसका अपहरण किया गया था और उसे मुंबई ले जाकर एक घर

में रखा जाता था। किसी तरह वह जान बचाकर वहां से भागकर घर लौट आया। हरदी बाबू निवासी चंद्र प्रकाश का बेटा विपिन 2009 में घर के पास से ही लापता हो गया था। परिजनों ने थाने पर गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी, लेकिन सालों बाद उसका कुछ पता नहीं चल सका था। 15 साल बाद घर लौटे विपिन ने बताया कि घर से महज 100 मीटर की दूरी पर मजार के रास्ते से घर आते वक्त कुछ लोगों ने उसे रोककर कार में जबरन बैठा लिया था। चिल्लाने पर मुंह दबा दिया था। मुझे दिल्ली ले जाया गया। एक घर के अन्दर रखा जाता था। वहां से मुंबई ले गए। वहां टाइल्स का काम कराया जाता था। एक मिनट के लिए भी बाहर नहीं निकलने दिया जाता था। न ही किसी से कुछ बात करने देते थे। फटे कपड़ों में घर पहुंचे विपिन को देख मां जानकी देवी, भाई अर्जुन, पिता चन्द्र प्रकाश व अन्य परिवारीजनों की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े।

कार्यालय जिला पंचायत बस्ती।
ठेकेदारी पंजीयन/नवीनीकरण सूचना।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत बस्ती के निर्माण/मरम्मत कार्यों के सम्पादन हेतु वित्तीय वर्ष 2024–2025 की अवधि के लिए नये ठेकेदार पंजीयन/नवीनीकरण सूचना हेतु उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत निमांग नियमावली 1984 व यथासशोधित में दी गई व्यवस्था एवं शासन द्वारा ई–टेण्डरिंग हेतु जारी शासनादेश में उल्लेखित शर्तों का पालन करते हुए आवेदन आमंत्रित किया जाता है। जिला पंचायत बस्ती में निर्माण/मरम्मत कार्य कराने हेतु प्रस्तर–2 में दिये गये प्रमाण–पत्र/अभिलेख जमा करना अनिवार्य होगा। प्रस्तर–1 में दिये गये श्रेणीवार सामान्य जमानत हैसियत प्रमाण–पत्र, चरित्र प्रमाण–पत्र के साथ आवेदन करना अनिवार्य होगा। अन्य श्रेणीवार पंजीयन समबन्धी सूचना निम्न प्रकार है–

प्रस्तरः–1

श्रेणी	सामान्य जमानत	हैसियत	पंजीयन शुल्क	निर्माण कार्य कराने की सीमा
ए	1,00,000.00	25.00.000.00	20,000.00	कोई सीमा नहीं
बी	50,000.00	15,00,000.00	10,000.00	5 लाख तक
सी	30,000.00	10,00,000.00	7,000.00	3 लाख तक

इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन–पत्र सभी अभिलेखों के साथ दिनांक 22.08.2024 तक प्रस्तुत कर सकते है।

प्रस्तरः–2

पंजीयन आवेदन–पत्र के साथ मूल प्रमाण–पत्र की प्रमाणित छायाप्रति जमा करना अनिवार्य है।

1– आर्थिक क्षमता (हैसियत प्रमाण–पत्र) एव पूर्व प्रचलित संन्तोषजनक गतिविधियों सम्बन्धी चरित्र प्रमाण–पत्र जो जिला मजिस्ट्रेट महोदय के स्तर से निर्गत हो एवं शासनादेशानुत्तार वैध हो।
2– राज्य सरकार के किसी निर्माण विभाग में कार्य करने का अनुभव प्रमाण–पत्र, जो अधिशाषी अभियन्ता के स्तर से जारी किया गया हो।
3– आयकर अदेयता प्रमाण–पत्र वर्ष 2023–2024/पैनकार्ड।
4– व्यापार कर अदेयता प्रमाण–पत्र वर्ष 2023–2024/जी०एस०टी० नम्बर।
5– दो फोटोग्राफ किसी राजपत्रित अधिकारी से प्रमाणित कराकर परिचय पत्र पर चिपका कर पूर्ण विवरण अंकित कर जमा करना होगा।
6– सामान्य जमानत धनराशि एन०एस०सी०/एफ०डी०आर०, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पचायत–बस्ती के पक्ष में बन्धक कराकर जमा करना होगा।
7– सेवा नियमावली 1970 के अन्तर्गत अधिकारी/कर्मचारी/मा० सदस्य के निकट सम्बन्धी पंजीयन के लिए पात्र नहीं होगें।
8– राज्य बार काउन्सिल में पंजीकृत अधिकता आवेदन के लिए पात्र नहीं होगे।
9– आधार कार्ड की छायाप्रति ।

(नवनीत कुमार)	(विजय प्रकाश वर्मा)	(संजय चौधरी)
अभियन्ता	अपर मुख्य अधिकारी	अध्यक्ष
जिला पंचायत–बस्ती।	जिला पंचायत–बस्ती।	जिला पंचायत–बस्ती।

पत्रांक 330 (ii) डि0/जि०पं०ब० /2024–25 दिनॉकः–22–07–2024

आवश्यक सूचना

मा० अध्यक्ष महोदय जिला पंचायत बस्ती की स्वीकृति दिनांक 19.07.2024 के अनुपालन में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत बस्ती के स्वामित्व वाले डा० राम मनोहर लोहिया शॉपिंग काम्प्लेक्स, बस्ती के प्रथम तल पर दुकानों/हाल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिसका आवंटन छत स्तर तक पूर्ण होने के उपरान्त नियमानुसार किया जायेगा।

क्र0 सं0	प्रस्तावित स्थान	प्रकार	आंशिक प्रीमियम की धनराशि (रू0 मे)	आरक्षण में प्रीमियम की धनराशि (रू0 मे)
01	डा० राम मनोहर लोहिया शॉपिंग काम्प्लेक्स (प्रथम तल ब्लाक–बी, सी. डी.ई) न्याय मार्ग कटरा	दुकान/हाल	100000.00	50000.00

अतः पूर्व प्रकाशित नियम एवं शर्तों के अधीन इच्छुक व्यक्ति जो दुकान लेना चाहते हैं, वे कार्यालय जिला पंचायत बस्ती से आवेदन पत्र प्राप्त कर उत्तानुसार आंशिक प्रीमियम की धनराशि के साथ दिनांक 20.08.2024 तक कार्यालय जिला पंचायत बस्ती में आवेदन पत्र जमा कर सकते है।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत बस्ती।

अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत बस्ती।

पत्रांक 329 (ii) डि0/जि०पं०ब० /2024–25 दिनॉकः–22–07–2024

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–61/2024

1. आफताव पुत्र हनीफ 2. श्रीमती नसरीन पत्नी आफताव नि0 मोहल्ला आजादनगर न0पा0प0 सिद्धार्थनगर पो0 तेतरी बाजार तप्पा थरौली प0त0 नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

बनाम
इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 27–08–2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 08 के 27 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2024 के 07 के 22 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 बस्ती महोदय जिला–बस्ती
वाद सं0 14/20
हसन रजा आदि
बनाम
रामदत्त

अंकित कुमार पुत्र स्व0 फूलचन्द्र साकिन मौजा तेनुआ तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
2/1 राम बहाल पुत्र स्व0 रामदेव
2/2 श्रीमती सरोज पत्नी फूलचन्द
2/3 अंकित कुमार पुत्र स्व0 फूलचन्द साकिन मौजा तेनुआ तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–08–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 21 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com